



शहरी विकास मंत्रालय

स्वच्छ सर्वेक्षण 2017 : मानदंड और प्रक्रिया

Posted On: 04 MAY 2017 3:52PM by PIB Delhi

शहरी विकास मंत्रालय द्वारा जनवरी-फरवरी, 2017 में कराए गए स्वच्छ सर्वेक्षण 2017 का उद्देश्य शहरों और कस्बों को खुले में शौच से मुक्त कराने और नगर पालिका के ठोस कचरा प्रबंधन की प्रक्रिया में सुधार प्राथमिकताआधारित स्वच्छता के परिदृश्य में सुधार के बारे में जानकारी हासिल करना है। तदनुसार यह परिणाम उन्मुख है।

सर्वेक्षण के लिए स्वच्छता संबंधी पहलुओं के विभिन्न कारकों के लिए मानदंड और वेटेज ये हैं

1. घर-घर से कूड़ा एकत्रित करने सहित ठोस कचरे का प्रबंधन, प्रक्रिया और निपटान, खुले में शौच से मुक्ति की स्थिति : कुल 200 अंकों का 45 प्रतिशत यानी 900 अंक
2. नागरिकों की प्रतिक्रिया : 30 प्रतिशत यानी कुल अंकों में से 600
3. स्वतंत्र अवलोकन : 25 प्रतिशत यानी 500 अंक

सर्वेक्षण करने वाली भारतीय गुणवत्ता परिषद ने 434 शहरों और कस्बों में 17500 स्थानों पर आकलन के लिए 421 मूल्यांकनकर्ता तैनात किये थे। अन्य 55 व्यक्ति नियमित रूप से वास्तविक समय में सर्वेक्षण प्रक्रिया की निगरानी कर रहे थे। मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा जियो टैग किये गये उपकरणों से क्षेत्र में जांच कर स्वच्छता की स्थिति पर सबूत आधारित रिपोर्ट तैयार की गई है।

वीके/एमके/वाईबी -1259

(Release ID: 1489174) Visitor Counter : 12

